जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

16 नवंबर 2023

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में 'असेसमेंट ऑफ़ चिल्ड्रेन विद स्पेशल नीड्स' पर हैंड्स-ऑन वर्कशॉप शुरू

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शिक्षक प्रशिक्षण और गैर-गैर-औपचारिक शिक्षा विभाग (आईएएसई) द्वारा आयोजित 'असेसमेंट ऑफ़ चिल्ड्रेन विद स्पेशल नीड्स' पर छह दिवसीय कार्यशाला आज शुरू हुई और 23 नवंबर, 2023 को समाप्त होगी।

कार्यशाला का उद्घाटन शिक्षक प्रशिक्षण और गैर-औपचारिक शिक्षा विभाग (आईएएसई) की प्रोफेसर (डॉ.) जेसी अब्राहम ने किया। प्रो. अब्राहम ने विशेष शिक्षा के साथ-साथ सामान्य शिक्षा के क्षेत्र में छह दिवसीय कार्यशाला के महत्व के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया। डॉ. इरम नासिर, मो. जुबेर ने कार्यशाला का आयोजन कर रहे वरिष्ठ विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

डॉ. मो. फैजुल्ला खान ने स्पेशल नीड्स वाले बच्चों के अधिकारों और चुनौतियों के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने बताया कि दिव्यांगता का वर्गीकरण क्यों किया जाता है और इसके पीछे क्या कारण है. उन्होंने विकलांग बच्चों (ऑटिज़्म, बौद्धिक विकलांगता, एडीएचडी, आदि) के मूल्यांकन के बारे में बात की।

प्रथम मुख्य वक्ता श्री डॉ. सुदीप कुमार दुबे, पाठ्यक्रम समन्वयक, दुर्गाबाई देशमुख कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन, नई दिल्ली ने फंक्शनल विजन असेसमेंट (एफवीए) पर व्याख्यान दिया। उन्होंने दृष्टि के दो प्रकार के मूल्यांकन -क्लिनिकल मूल्यांकन और कार्यात्मक मूल्यांकन के बारे में विस्तार से बताया।

दूसरी मुख्य वक्ता, मिस मंगुरप्रीत कौर ने टूल वेक्स्लर इंटेलिजेंस स्केल फॉर चिल्ड्रन (डब्ल्यूआईएससी) के बारे में बात की। परीक्षण कई संज्ञानात्मक क्षमताओं को मापता है: मौखिक समझ, अवधारणात्मक तर्क, कामकाजी स्मृति, प्रसंस्करण गति और तरल तर्क सहित संज्ञानात्मक क्षमताओं की एक श्रृंखला को मापता है। उन्होंने छात्रों को इस परीक्षण से परिचित कराया और उन पर परीक्षण करके व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया